राज
कॉमिक्स
By संजय गुप्ता
संख्या : 02
नाग प्रलय
भाग 1
युगारंभ 2021 वर्ष
नागराज
तौसी
नितिन मिश्रा
आदिल खान
बसंत पंडा
भारतीय कॉमिक्स इतिहास में पहली बार नागसम्राट नागराज और सर्पसम्राट इच्छाधारी तौसी एक साथ।
ADIL KHAN

राज कॉमिक्स के प्रिय पाठक मित्रों,

प्रणाम,

राज कॉमिक्स बाय संजय गुप्ता की नयी प्रस्तुति में आपका स्वागत एवं आभार व्यक्त करता हूँ।

अक्टूबर 2020 में जब मैंने अपने इस उपक्रम की घोषणा की थी तब सभी मित्रों ने बाँहें पसार कर मेरा स्वागत किया और सभी ने यही कहा कि हम सभी आपके साथ हैं। आप सभी से मिला यही आश्वासन प्रेरणा बन कर साथ चला और मैं गत आठ माह में कॉमिक्स जगत की कुछ अनमोल कृतियाँ आप तक पहुंचा पाया। मुझे अपार हर्ष है कि आप सभी को मेरे द्वारा प्रकाशित सभी कॉमिक्स एवं नॉवेल्टी आइटम्स अत्यधिक पसंद आये और ये सभी कॉमिक्स प्रकाशन जगत के लिए अनुकरणीय बनीं। आज गर्त से उठकर अर्श की तरफ अग्रसर हो चला है सम्पूर्ण कॉमिक्स जगत। आपके इस उत्साहपूर्ण सहयोग के कारण ही मैं दो भागों की प्रलय का देवता कॉमिक्स की योजना बना पाया, जिसका प्रथम भाग **नाग प्रलय** आपके हाथों में है। पहली बार कॉमिक्स जगत में दो बड़े महानायक नागराज और तौसी एक साथ पदार्पण कर रहे हैं, इससे पाठकों का एक बहुत बड़ा सपना पूरा हो रहा है। इस कॉमिक्स को हमने बड़े आकार में लाने का प्रयास किया है, आशा है कि यह नवीन बदलाव आपको पसंद आएगा। मुझे विश्वास है कि मुझे आपका अमूल्य सहयोग हमेशा यूं ही मिलता रहेगा और मैं आपके हर एक सपने को पूरा कर पाऊंगा। अपना प्यार सदैव बनाये रखें और कॉमिक्स के उत्थान में साझेदारी निभाते रहें।

आपका
संजय गुप्ता!

हमारा वायदा अच्छी कॉमिक्स
आपका वायदा केवल...

Only Raj Comics
By
Sanjay Gupta

नाग प्रलय
नागराज
तौसी

संजय गुप्ता पेश करते हैं

लेखन
नितिन मिश्रा

चित्रांकन
आदिल खान पठान

रंग सज्जा
बसंत पंडा
(सहयोग- मनमीत)

मुख पृष्ठ
आदिल खान एवं प्रदीप शेरावत

शब्दांकन एवं ग्राफिक डिजाइन
मंदार गंगेले, गौरव गंगेले

संपादन
संजय गुप्ता

राज कॉमिक्स है मेरा जनून

संस्थापक - राजकुमार गुप्ता, संजय गुप्ता

नाग प्रलय (प्रलय का देवता भाग 1)
मुद्रण तिथि – जुलाई 2021

महानगर के बाहर स्थित एक पुराना बंद पड़ा कारखाना जिसके कंपाउंड में एक अत्याधुनिक अनुसंधान प्रयोगशाला जोकि कुछ देर पहले तक शांत नजर आ रही थी।

अब वहाँ मौत के शोले बरस रहे थे।

काबूम!

तुम्हारे इस संसार से दर्द और दगा के सिवाय कुछ ना मिला पर मैंने उफ तक नहीं की, लेकिन शायद तुम मेरी इस सहनशीलता को उसकी कमजोरी मान बैठे भगवान।
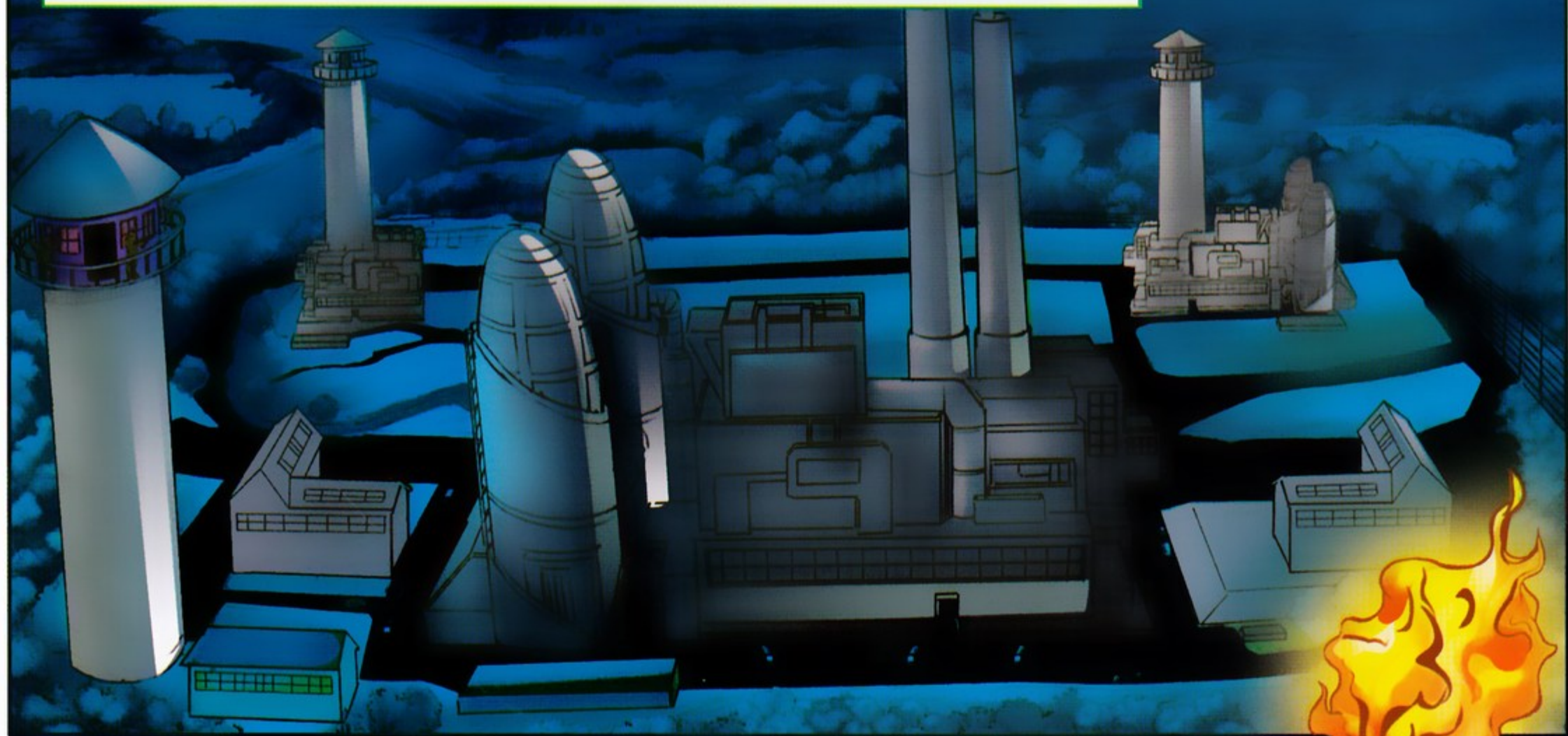
पर वे शोले उस उफनते लावे के सामने कुछ नहीं थे जो उन्हें भड़काने वाले के मुँह से फूट रहा था।

उसके क्रोध के फटते ज्वालामुखी से जैसे आसमान भी सिहर उठा था।
गड़ड़ड़ड़ड़
इंसानों का यह पृथ्वी-लोक हो या फिर पाताल-लोक और सर्पदेश, मैं हर जगह ही छला गया, फिर भी मैंने अपने कर्तव्यपथ से खुद को कभी डिगने नहीं दिया, भगवान!
मैंने कभी तेरी लीला पर सवाल ना उठाया, भगवान! परंतु आज तुझे मेरे सभी प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।
उसके क्रोध के आवरण में छुपी पीड़ा जैसे आसमान से फूट निकली।
तौसी के जीवन का सिर्फ एक आधार था। अप्सरा। मुझसे मेरा जीवन छीन लेता भगवान! मेरी अप्सरा को क्यों छीना!
मुझे मेरी अप्सरा ना मिली तो मेरी क्रोधाग्नि तेरी इस पूरी सृष्टि को खाक कर देगी।
तौसी के तांडव को तेरी यह बारिश की बूँदे रोक नहीं सकती।
मुझे मेरी अप्सरा दे-दे भगवान! मेरी इच्छाधारी शक्ति अप्सरा का पता नहीं लगा पा रही है, जिसका सिर्फ एक ही अर्थ है कि अप्सरा इस दुनिया में नहीं है। लेकिन मेरा हृदय यह मानने को तैयार नहीं।
मुझे मेरी अप्सरा तक पहुँचने का कोई तो जरिया दे दो, भगवान!
भगवान के अपने तरीके होते हैं उत्तर देने के, जो अक्सर हमारी समझ में नहीं आते।
ये उत्तर और बहुत सारे प्रश्नों को जन्म देते हैं।
प्रश्न कभी-कभी हमारे अतीत के रूप में अचानक से सामने आते हैं।
महाबली तौसी! ह..ह...ह! तू तो पिल्ले की तरह रो रहा है।
तुम!!?

अपनी इच्छाधारी मणि मुझे सौंप दे, तौसी! फिर शायद तुझे अप्सरा का शव अंतिम संस्कार के लिए नसीब हो जाए।

यह परीक्षा थी प्रेम और पराक्रम की। और यह बात संसार को बनाने वाला भी जानता था कि महाबली तौसी के समान ना कोई प्रेमी था, और ना पराक्रमी।

या फिर था?
मौसम काफी तेजी से खराब हो रहा है। ऊँची लहरों के थपेड़े आगे बढ़ना मुश्किल कर रहे हैं।

नागराज के पराक्रम की अग्निपरीक्षा उस समुद्र से आरम्भ हो रही थी।
ओह! उस यॉट पर बड़े शिप से फायरिंग की जा रही है।
तड़ड़ड़

यह तो पायरेट्स यानी समुद्री दस्युओं का जहाज लगता है।
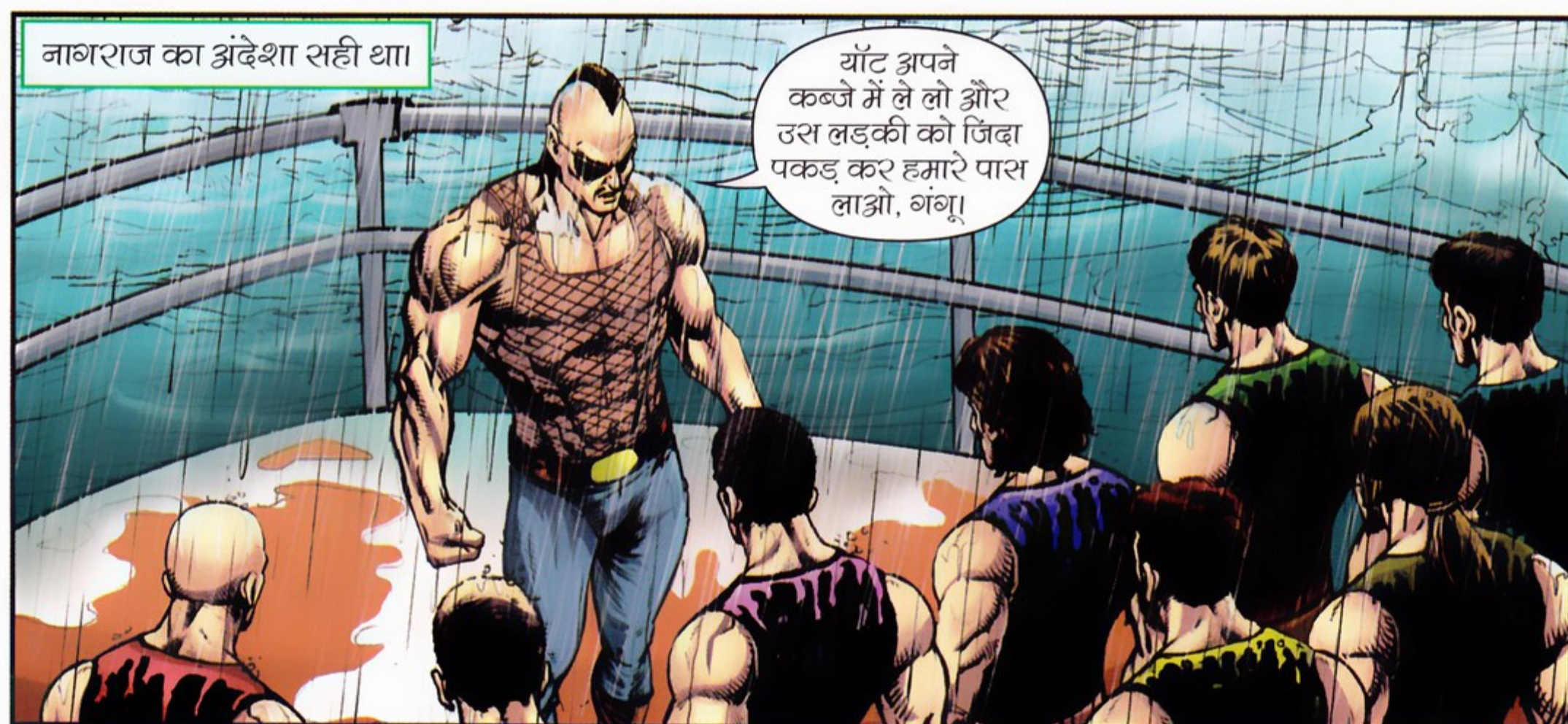
नागराज का अंदेशा सही था।
यॉट अपने कब्जे में ले लो और उस लड़की को जिंदा पकड़ कर हमारे पास लाओ, गंगू।

समुद्री दस्यु अपने शिकार को अकेला और निहत्था कर चुके थे।
डैम इट! आई एम आउट ऑफ बुलेट्स।
कितना भी मचल ले लेकिन इस समुद्र में आई हर मछली गोगा के जाल में फँस ही जाती है।

ग्रेस कोई छोटी मछली नहीं जो तुम बदबूदार दस्युओं के जाल में फँस जाए, ग्रेस शार्क है...

शिकारी का शिकार करना अच्छी तरह जानती है।
ओह नहीं! जिंदा ग्रेनेड फेंक दिया कमबख्त ने। जल्दी कूदो सब।

बेवकूफ लड़की! पूरा यॉट ही उड़ा दिया, लेकिन अब समुद्र में तुझे कौन बचाने आएगा भला!

कुछ समझ आने से पहले ही किसी ने दस्युओं को पानी की सतह के नीचे खींच लिया।

ओ गॉड! यह क्या हो रहा है?

पानी के नीचे भी स्नेक हैंड के वार बिजली की गति को मात देने की कूवत रखते थे। दस्युओं को संभलने का मौका ना मिला।

गरजते आसमान के साथ उफनती लहरें अधिक आक्रामक हो रही थीं।

ये तो डुबो के ही मानेंगी।
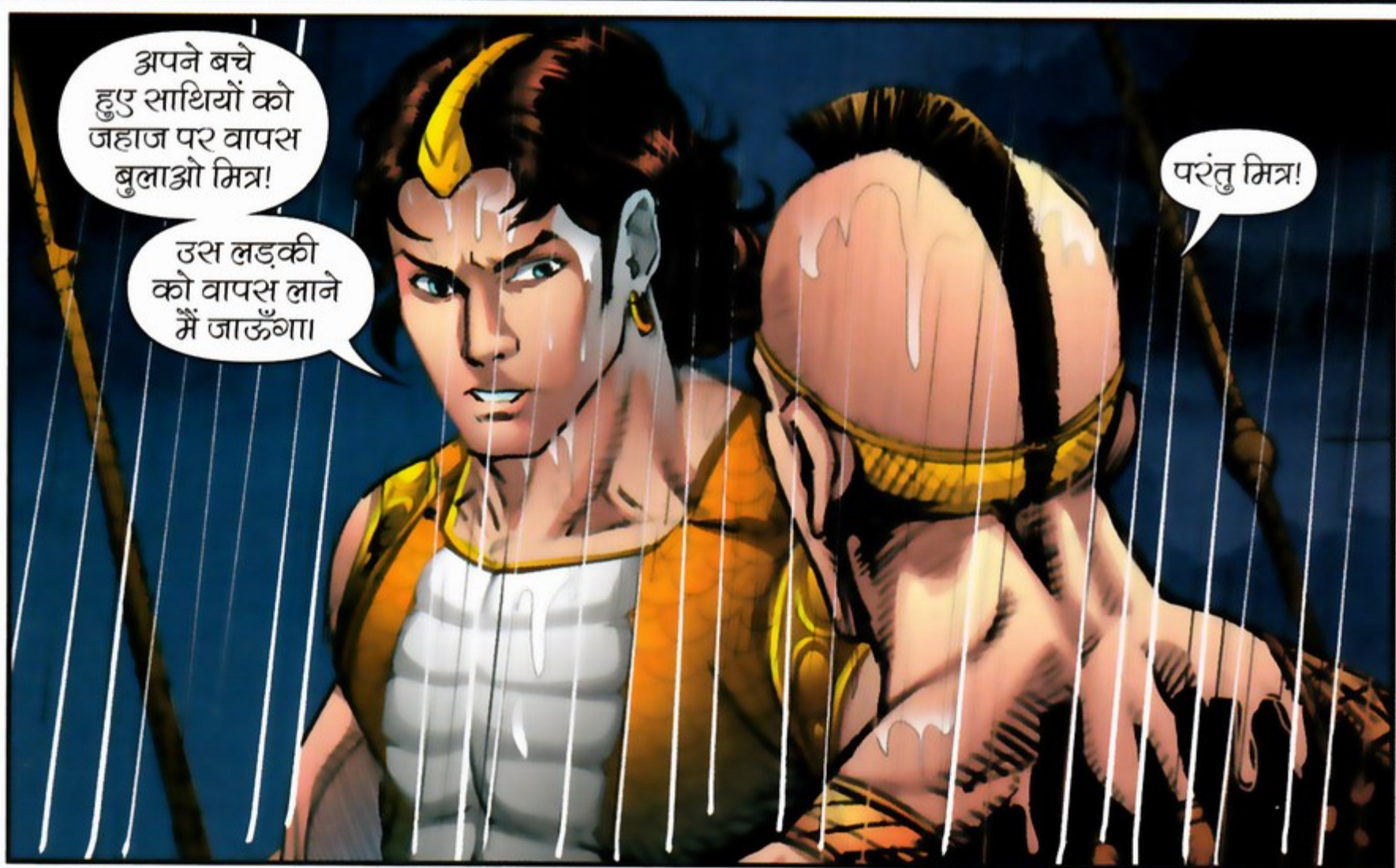
अपने बचे हुए साथियों को जहाज पर वापस बुलाओ मित्र!

उस लड़की को वापस लाने मैं जाऊँगा।

परंतु मित्र!
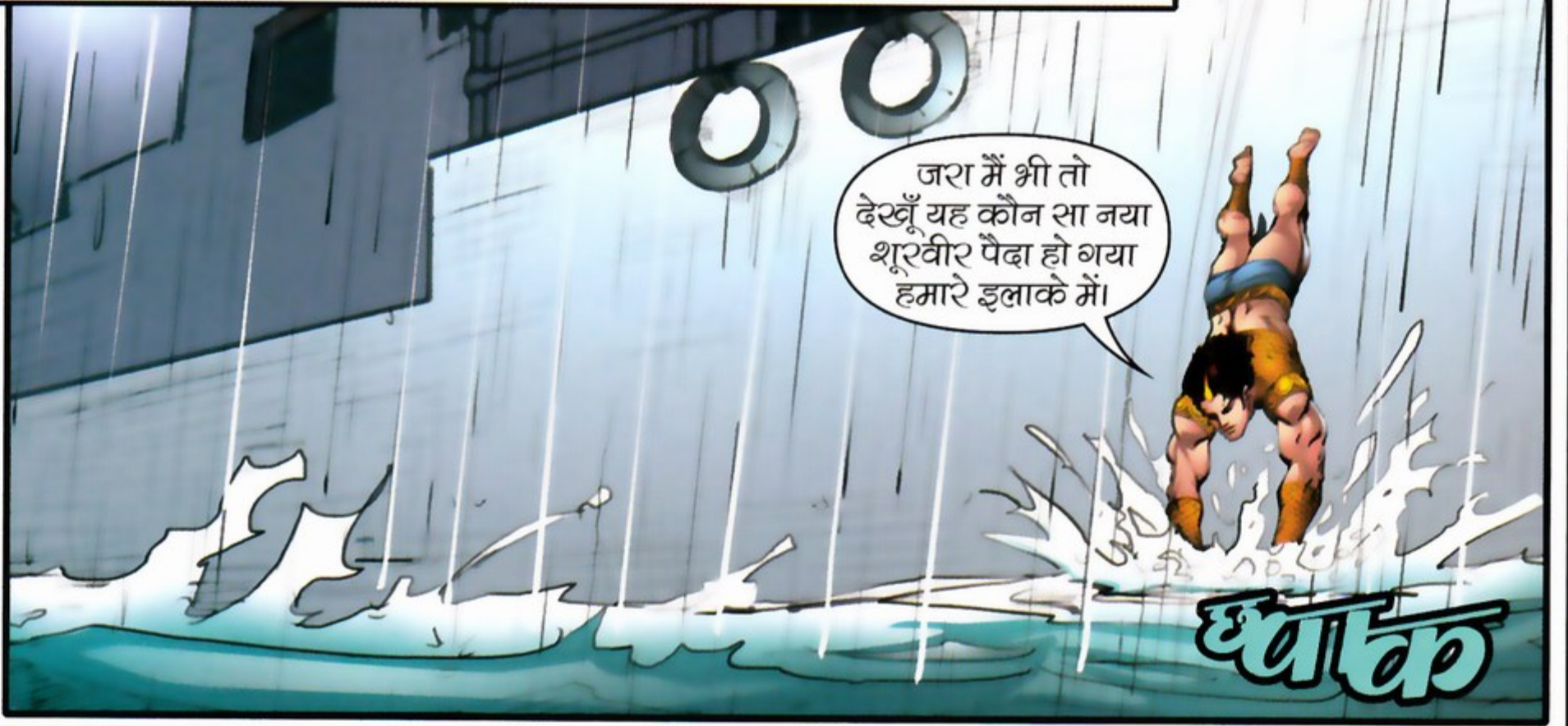
जरा मैं भी तो देखूँ यह कौन सा नया शूरवीर पैदा हो गया हमारे इलाके में।

छपाक
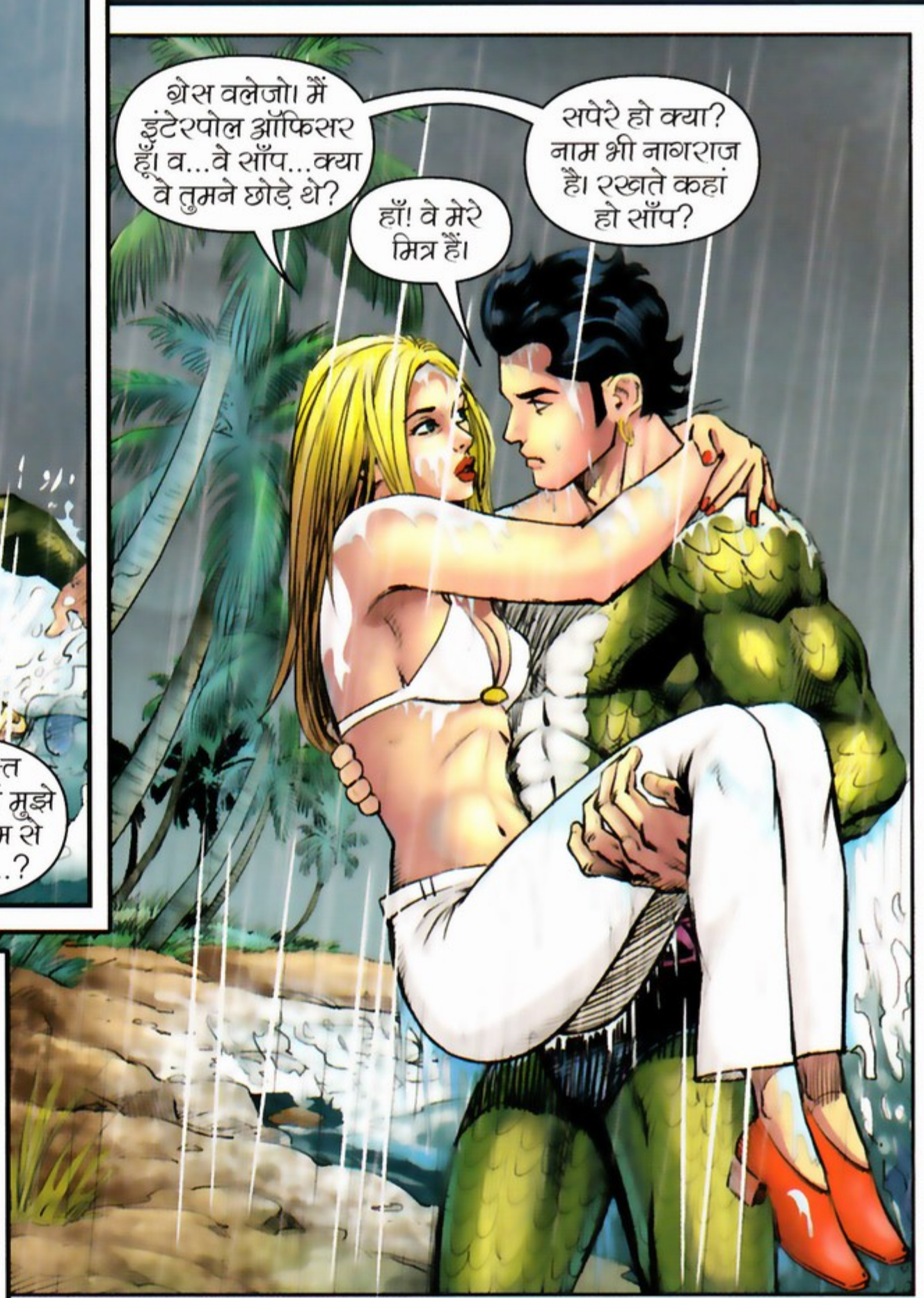
तूफान से बचने के लिए यह छोटा टापू उपयुक्त रहेगा।
जान बचाने का शुक्रिया मिस्टर...?
नागराज। दोस्त और दुश्मन दोनों मुझे नागराज के नाम से जानते हैं मिस...?
ग्रेस वलेजो। मैं इंटरपोल ऑफिसर हूँ। व...वे साँप...क्या वे तुमने छोड़े थे?
हाँ! वे मेरे मित्र हैं।
सपेरे हो क्या? नाम भी नागराज है। रखते कहां हो साँप?
नागराज के सर्प संकेत ने उसे खतरे का आभास कराया।
लेकिन उस आधे क्षण में नागराज सिर्फ ग्रेस को ही सुरक्षित कर सका।
बचो नागराज!!

शत्रु के इस स्वरूप की नागराज ने कल्पना नहीं की थी।

क्या बला है यह?

और ना ही नागराज को इस बात का अंदेशा था कि उसकी शारीरिक शक्तियाँ प्रतिद्वंद्वी के विरुद्ध कमजोर रह जाएँगी।

पानी के नीचे नागराज के लिए साँस लेना सम्भव नहीं था और शारीरिक बल हर पल उसकी सांसों के साथ क्षीण पड़ता जा रहा था।

परंतु शायद स्वयं भगवन भी नहीं चाहते कि सच्चा महानायक जीत के लिए सरल मार्ग का प्रयोग करे।
इसकी मगर जैसी मोटी खाल में लाख कोशिशों के बावजूद मेरे दांत नहीं गड़ रहे। इस पर सर्प दंश काम नहीं करेगा।
सच्ची जीत वही है जो जान दांव पर लगा के हासिल हो।
पर यह कहना मुश्किल था कि उस दानव को समुद्र की सतह के बजाए तल की ओर खींच कर नागराज जीत के लिए जान दांव पर लगा रहा था या फिर हार मान कर जान गँवा रहा था।

हार मानना? संसार में बस यही तो एक चीज थी जिसे वह विलक्षण मानव नाग कभी सीख नहीं सका था।
समुद्र तल में पानी का दबाव अधिक है।
अब यहाँ मुकाबला बराबर का होगा।
मेरी तीव्र विष लहरी आस-पास के पानी को अत्यधिक विषैला कर देगी।
नागराज तो हर दिन अपने महादेव से एक ही चीज माँगता था कि उसे और मुश्किलें, दर्द, कष्ट और तकलीफ दें ताकि वह हर्ता इनका नाश कर सके।
मेरे फेफड़ों में ऑक्सिजन खत्म है लेकिन मैं साँस नहीं ले पा रहा तो इसे भी नहीं लेने दूँगा।
ताकि वह स्वयं को योग्य सिद्ध कर सके।
मुकाबला बराबर का है अब। जीतेगा वही जिसके जीवट की जिद बड़ी होगी।
और ऐसी परीक्षाओं में परिणाम से भगवान को चकित करने की विधा वह बखूबी सीख रहा था।
आखिरकार हार मान ली शैतान ने!

नागराज को समुद्र से बाहर आता देख ग्रेस हतप्रभ थी।
ओ नागराज! तुम सकुशल वापस आ गए। मुझे लगा नहीं था कि तुम उस दानव को हरा पाओगे।
मेरे घातक विष के सामने वह अजीब समुद्री दानव ना टिक सका।
तू बहुत खतरनाक है लड़के। तूने तो लगभग मुझे मार ही डाला था।
बोलने वाला दानव? इसने तो अपना रूप परिवर्तित कर लिया है।
यह इच्छाधारी साँप है नागराज।

एक युद्ध और लड़ा जा रहा था। यह कोई साधारण युद्ध नहीं था। अपने प्रेम के लिए लड़े गए प्रेम युद्ध से बड़ा धर्म युद्ध दूसरा कोई नहीं होता।
इतिहास रचने आया था, आज मेरे हाथों इतिहास बनेगा यह अप्सरा का आशिक।

संसार अक्सर प्रेम करने वालों का उपहास करता है। वह यह नहीं जानता कि प्रेम से बड़ी कोई शक्ति नहीं।
छिया

इस बार मैं पहले से कहीं अधिक शक्तिशाली हूँ।
मेरे निर्माता महान डॉक्टर फैंटसी ने मुझ पर अनगिनत प्रयोग किए हैं।
विभिन्न सरीसृप प्रजातियों के जीन्स इस शरीर में दौड़ रहे हैं, तौसी। डायनॉसोर की ताकत से लेकर अपने अंगों को पुनर्जनन करने की खूबी तक है इस बार मुझमें।
...फना कर दो...
जो प्रेम से अभिभूत हैं, भगवान भी उनके वशीभूत हैं। चाहे उन्हें कितना भी दबा लो...
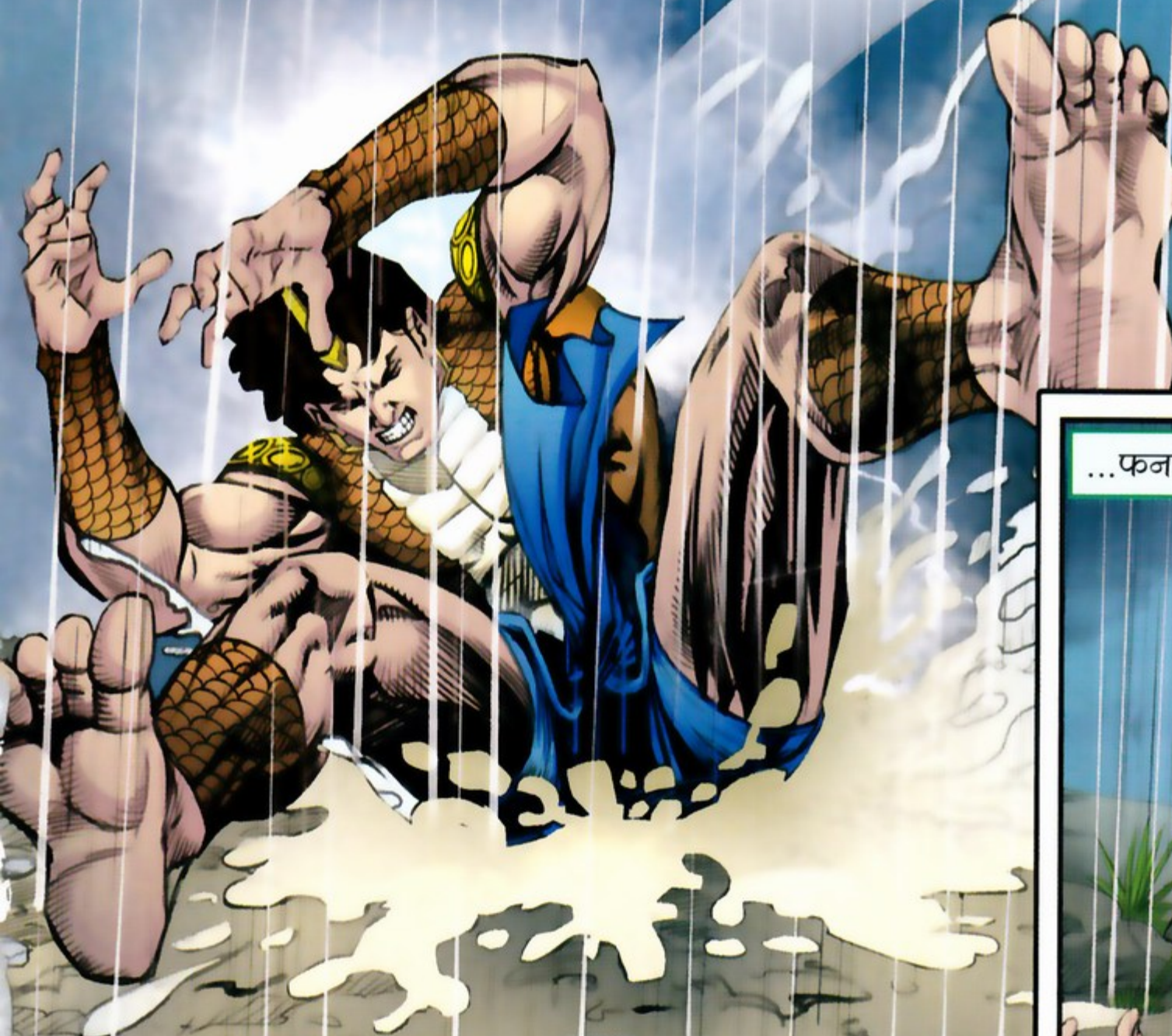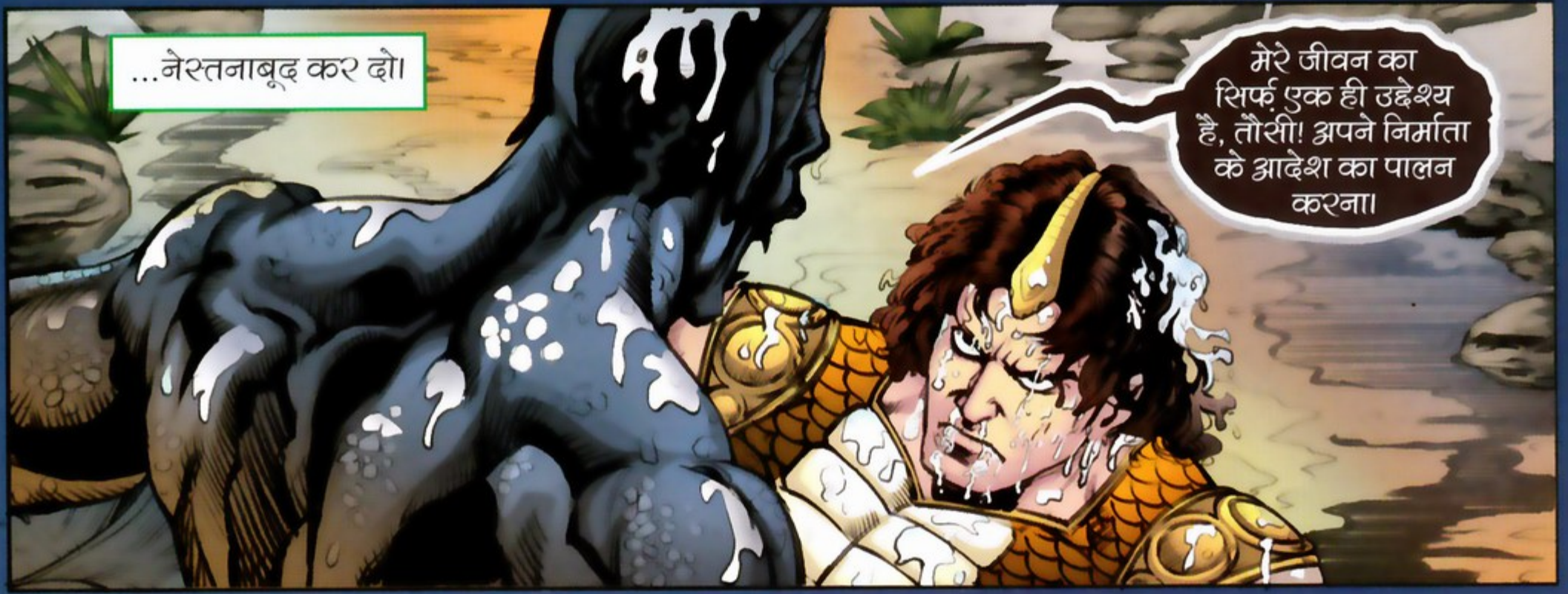
...नेस्तनाबूद कर दो।
मेरे जीवन का सिर्फ एक ही उद्देश्य है, तौसी! अपने निर्माता के आदेश का पालन करना।

"मेरे निर्माता ने मुझे एक साधारण तुच्छ नाग से एक अमोघ सरीसृपास्त्र में तब्दील कर दिया परंतु इसके उपरांत भी मैं अपने निर्माता की पाताल लोक के सर्प देश को गुलाम बनाने की इच्छा कभी पूरी ना कर सका जिसकी वजह सिर्फ तू है।"★

★ पढ़ें तौसी का कॉमिक्स डेंजर डबोली

कल भी नहीं!

कभी नहीं!!

तेरा निर्माता तुझे चाहे जितनी बार पुनर्जीवित कर दे, तुझे उससे एक बार ज्यादा मारने के लिए...

...तौसी हमेशा मौजूद रहेगा!
बिछुड़े प्रेम का दर्द जब क्रोध बनता है तब प्रलय आती है।

अप्सरा के प्रेम का देवता प्रलय का देवता बन चुका था।
और देवताओं के मार्ग नहीं रोके जाते।
अप्सरा की मानसिक तरंगें मुझ तक बेशक नहीं पहुँच रही लेकिन पसलियों पर चोट करता मेरा दिल चीख-चीख कर यही कह रहा है...

...कि अप्सरा को इस स्थान पर अवश्य लाया गया है। यह लौह द्वार तो बहुत मजबूत लगता है, परंतु देखना यह है कि क्या यह तौसी के इरादों से अधिक मजबूत है?

नहीं है!!

एक क्रुद्ध देवता का मार्ग अवरुद्ध करने का दुःसाहस करने वाले अपने विनाश को स्वयं न्योता देते हैं।

हे महादेव! इच्छाधारी सर्पों के परिरक्षित करके रखे हुए अंग, क्षत-विक्षत लाशें! उफ! कैसे दरिंदों के चंगुल में जा फँसी है मेरी अप्सरा!

बर्बरता की सभी हदें पार करते हुए इस इच्छाधारी सर्प की आंखें तक नोच ली हैं हैवानों ने, अन्यथा मैं इसकी आंखों में उन दरिंदों के अक्स देख लेता।

इस सीलन और सड़े हुए मांस की दुर्गंध से भरे तहखाने में भी मैं अपनी अप्सरा की खुशबू सूंघ सकता हूँ।

सिर्फ अप्सरा का नहीं इस काल कोठरी में दम तोड़ने वाले एक-एक इच्छाधारी सर्प का दोषी हूँ मैं।

सर्प देश का शासक होने के बावजूद मैं तुम्हारी रक्षा ना कर सका।

सौगंध है मुझे इस तहखाने में मृत हर इच्छाधारी के अंतिम क्षणों में निकली एक-एक चित्कार की...

तौसी का दर्द सिर्फ एक प्रेमी का नहीं बल्कि प्रजा पालक का भी था।
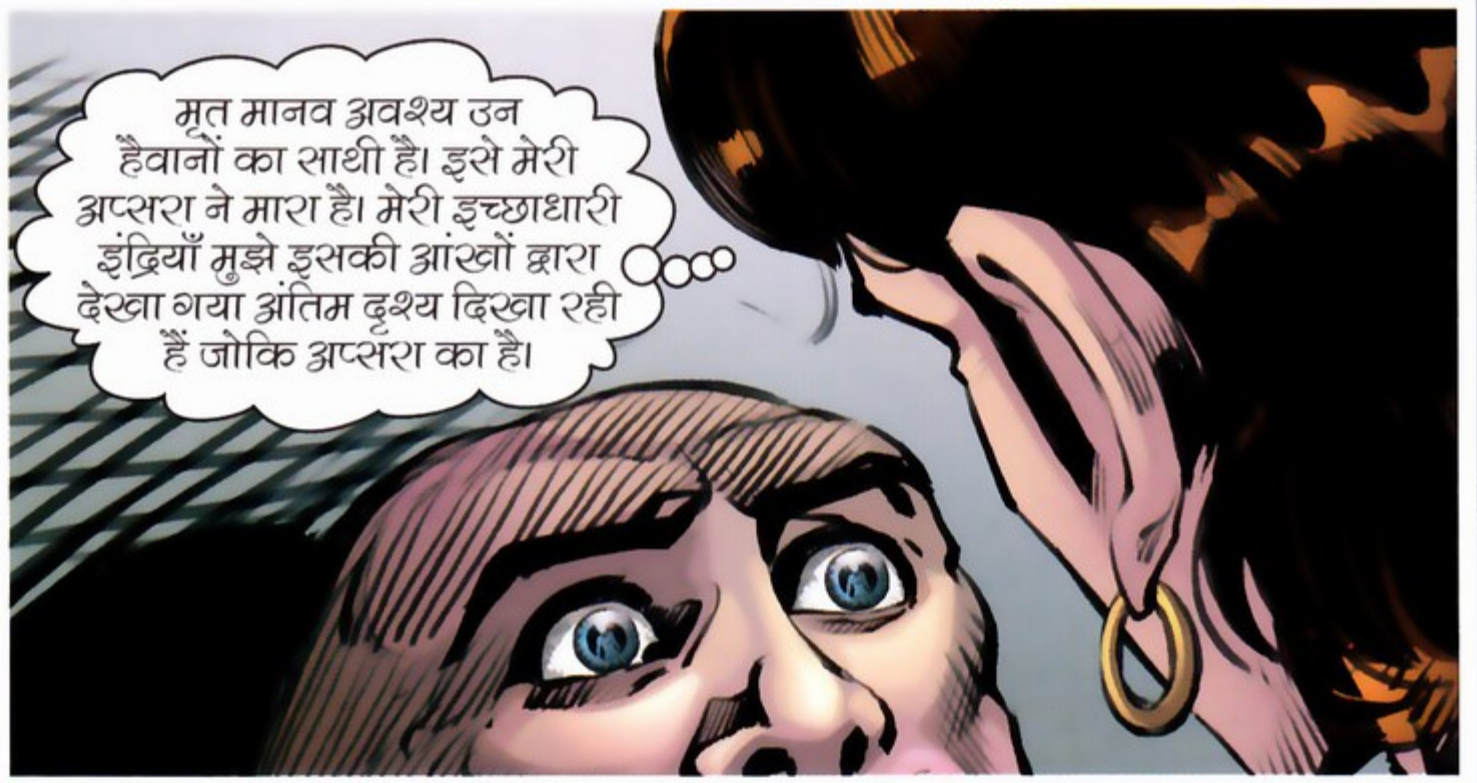
तुम्हारे हत्यारों का हश्र इससे भी भयानक होगा।
मृत मानव अवश्य उन हैवानों का साथी है। इसे मेरी अप्सरा ने मारा है। मेरी इच्छाधारी इंद्रियाँ मुझे इसकी आंखों द्वारा देखा गया अंतिम दृश्य दिखा रही हैं जोकि अप्सरा का है।
मृत्यु के कुछ घंटों बाद तक ही यह अंतिम अक्स आंखों की पुतलियों में संरक्षित रहता है।
इसका अर्थ यह हुआ कि कुछ घंटों पूर्व तक अप्सरा यहीं थी। अवश्य ही आततायियों को मेरे आगमन की भनक लग गयी और वे भाग निकले।
परंतु यदि उन्हें अप्सरा के बदले मेरी इच्छाधारी मणि चाहिए तो फिर यह लुका-छुपी क्यों?
उफ! यह नेवलों की फौज कहां से आ गयी! इच्छाधारी सर्पों का यह हश्र इन्होंने ही किया होगा।
चीं
चीं
चीं
मेरी प्रजा की मृत्यु के दोषी तुम लोग भी हो! मृत्युदंड से कम कुछ नहीं मिलेगा!
मेरी सेना के अदने से सैनिकों को मार कर खुद को बड़ा महाबली समझ रहा है केंचुओं के राजा...

जरा मुझे भी मृत्युदंड दे कर दिखा, इन सभी इच्छाधारी सर्पों को बहुत इत्मिनान से अपनी सेना का आहार बनाया है मैंने।

इच्छाधारी नेवला! डेंजर डबोली की तरह तू भी इन हैवानों का पालतू कुत्ता बना हुआ है?
निर्बलों का राजा बनने से बेहतर है बलवान का गुलाम बनना। यह बात जल्द ही तेरी समझ में आ जाएगी सपोले।

जब मैं तुझे अपना गुलाम बनाऊंगा।

मेरे चीर शत्रुओं को एक-एक कर मेरे सामने लाया जा रहा है। मेरा यह शक्ति परीक्षण किसी बहुत गहरे षडयंत्र का हिस्सा है।

बता! कौन हैं तेरे मालिक? कहां ले गए हैं मेरी अप्सरा को? क्या योजना है उनकी? बता वरना वो हाल करूँगा तेरा कि मौत को तरसेगा।
आह!

इतनी जल्दी क्या है सपोले? अप्सरा के लिए तेरी यह छटपटाहट तेरे द्वारा हमें दिए गए पराजय के घावों पर मरहम समान है। अभी तो बहुत तड़पना है तुझे...

तिल-तिल कर के निकालेंगे तेरी जान।
हाहाहा! इन आशिकों की कुटाई का अलग ही सुख होता है। दिखा ना अपने प्यार की ताकत, दिखा ना!!
अगर तौसी अपनी ताकत दिखाने पर आ गया तो बर्दाश्त ना कर पाओगे भुनगों!!

ऐसे तुच्छ जीव तौसी के बल का मापदंड निर्धारित नहीं कर सकते! सुन रहे हो हैवानों! धरती हो या पाताल, मैं अपनी अप्सरा को ढूँढ निकालूँगा। मेरी अप्सरा को स्पर्श करने की जो धृष्टता तुम लोगों ने की है...

...उसके लिए तुम्हारे रक्त से अपनी अप्सरा को स्नान कराएगा तौसी।

तौसी! मेरा तौसी!!

मुझे पता है, मेरे देवता कि भगवान तक शायद एक बार उसके भक्त की गुहार ना पहुँचे...

...पर मेरा देवता मेरे दिल की पुकार सुन लेगा।

हम जानते हैं लड़की। इसीलिए तो तुझे तेरे देवता की तबाही का मोहरा बनाया गया है।

अप्सरा का चुग्गा बना कर हमने तौसी नाम का जो जाल बुना है...

कमाल का इच्छाधारी साँप है यह तौसी तो! मेरे आविष्कार, अपने लक्ष्य से भटके ब्रह्मास्त्र को राह पर लाने का इससे अचूक हथियार दूसरा कोई नहीं हो सकता।

यह जाम हमारी कामयाबी के नाम दोस्तों।

जल्द ही संसार की सबसे बड़ी सर्प और नाग शक्तियाँ हमारे हाथ का खिलौना बनेंगी।

"उसमें नागराज जल्द ही आकर फँसेगा।"

हमारी इंटेलिजेंस सर्विसेस से मिली चेतावनी के अनुसार यह इच्छाधारी सर्प पृथ्वी पर किसी बड़े हमले की प्लानिंग कर रहे हैं।

तुम सभी मानव धूर्त और मक्कार हो और झूठे भी!

और तू क्या बला है? तू मानव है या नाग है?

तुझ जैसे मानवता के दुश्मनों का काल हूँ मैं, नाम है...

नागराज

मैंने धूर्त प्रोफेसर नागमणी से अक्सर इच्छाधारी सर्पों और नागों के विषय में सुना था।

परंतु यह प्रजाति तो स्वयं ही अपने अस्तित्व को मानवों से गुप्त रखने के लिए मानवों से दूर रहती है, फिर भला मानवों पर हमला कर के यह अपना रहस्य उजागर करने का खतरा क्यों मोल ले रहे हैं?

इन सवालों के जवाब यह इच्छाधारी सर्प ही मुझे देगा।

नागराज की उस जबरदस्त किक से अपने होश खोता चला गया तौसी।

तुम्हारी यह चिकनी हरी खाल, तुम्हारे यह शल्क। कहीं...कहीं तुम भी इनमें से एक तो नहीं?

यदि ऐसा होता तो मैं तुम्हें इनके चंगुल से आजाद नहीं कराता।

विलक्षण नाग मानव, नागराज!

वे पायरेट्स भी इस इच्छाधारी साँप के साथी थे?

तुम्हारे पीछे क्यों पड़े हुए थे?
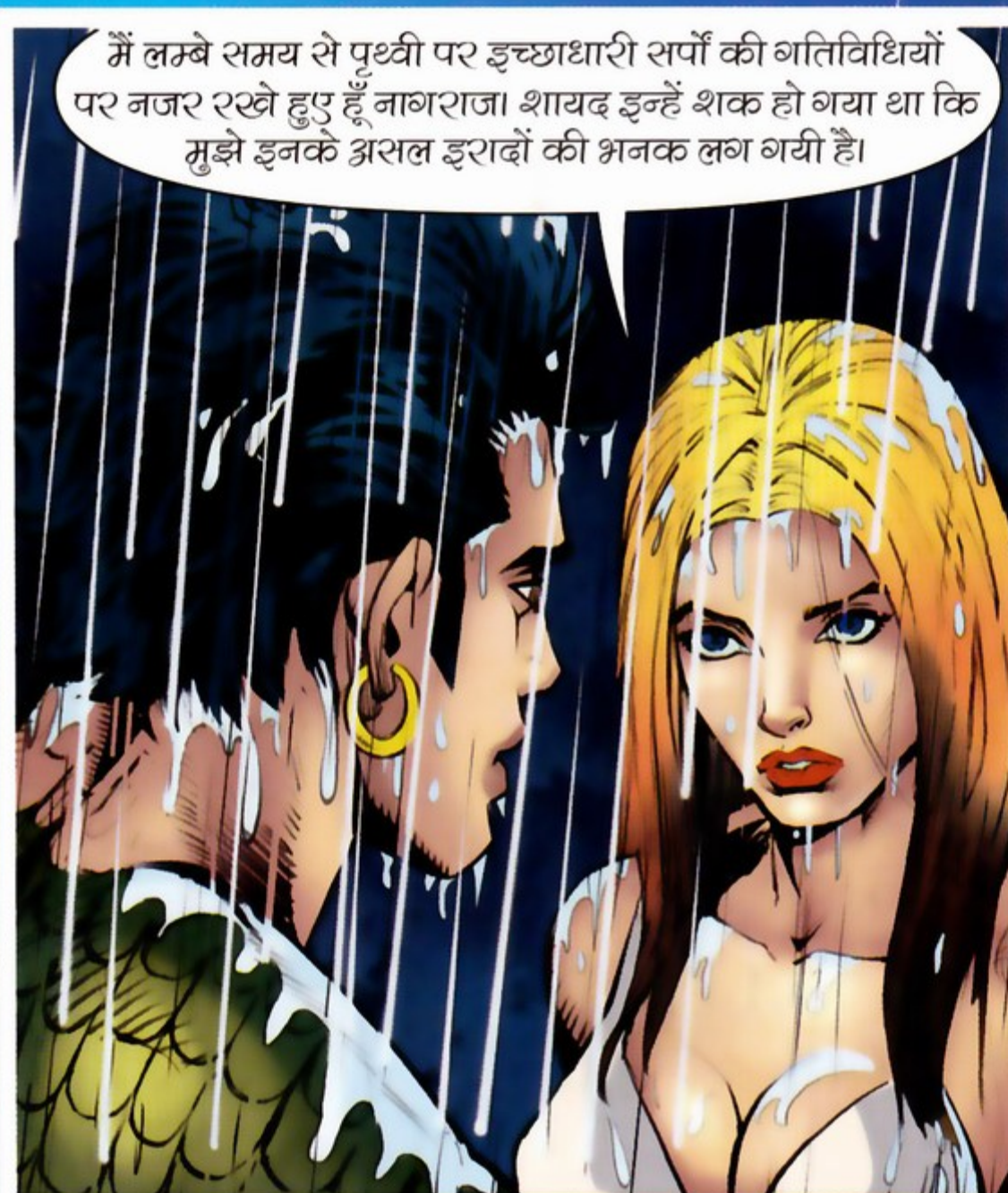
नागराज और ग्रेस इस बात से अनभिज्ञ थे कि उस टापू पर छुपा हुआ एक बूढ़ा गिद्ध अपनी गिद्ध दृष्टि उनपर गड़ाए हुए था।

यह हरा नाग मानव कौन है? यह कोई इच्छाधारी तो नहीं लगता। इसने कितनी आसानी से पाणिध्वज को परास्त कर दिया।

नागबाबा ने पाणिध्वज को जिस उद्देश्य से पुनर्जीवित किया था वह अधूरा रह जाएगा अगर मैंने उसकी मदद नहीं की तो।

ऋषिराज गिद्ध, तौसी की छः नाग शक्तियों में से एक, पाणिध्वज को नागराज के चुंगल से छुड़ाने की युक्ति सोच रहा था दूसरी तरफ पाताल लोक में नागबाबा एक विशिष्ट यज्ञ आहुति में लीन थे।

प्रचण्डं प्रकृष्टं प्रगल्भं परेशं प्प अखण्डं अजं भानुकोटिप्रकाशं प्प!!!

यज्ञ आहुति में अचानक आने वाले इस व्यवधान से अनभिज्ञ जो अपने साथ एक भीषण तूफान लिए आ रहा था।

रुक जा, नागबाबा! रोक दे अपना यह यज्ञ जो मानव जाति के लिए अहितकर सिद्ध होने वाला है।

गुरु गोरखनाथ! मैंने तेरे यहाँ आने की अपेक्षा नहीं की थी। परंतु तू मुझे मेरे पथ से डिगा नहीं सकता।

मेरा शिष्य तौसी तुम मानवों की सभ्यता का सर्वनाश कर के ही रुकेगा, गोरखनाथ! और उसके लिए यह सर्पिल साधना सम्पन्न होना अनिवार्य है।

पृथ्वी जल्द ही दो श्रेष्ठतम शिष्यों के टकराव की साक्षी बनने वाली थी...

...और पाताल लोक दो महानतम गुरुओं के टकराव का साक्षी बन रहा था।

शिकांगी!!

आप निश्चिंत होकर साधना करिए नागबाबा भला एक नेवले वाले बुड्ढे सन्यासी को रोकना कितना मुश्किल होगा!

कालू जिन्न! जब तक मैं सर्पिल साधना सम्पन्न ना कर लूँ इसे रोकने की जिम्मेदारी तेरी है।

इंसान की सबसे बड़ी कमजोरी होती हैं उसका अंदरूनी डर।
और जब वह डर साक्षात उसके सामने आ कर खड़ा हो जाए, तब या तो इंसान तर जाता है या फिर वह बन जाता है उसके लिए ज़िंदगी भर का...
राज कॉमिक्स बाय संजय गुप्ता पेश करते हैं सुपर कमांडो ध्रुव की बहुप्रतीक्षित श्रृंखला नियो का प्रथम भाग जिसमें आप भी हो कर रह जाएंगे ट्रैप।

खून के कितने ही महासागर और जुर्म के कितने ही दरियाओं को पार कर गया डोगा।
WANTED
DEAD/AL
फिर क्यों नही पार कर सका मुंबई की एक वीरान सड़क पर रखी वह...
कचरा पेटी
संजय गुप्ता पेश करते हैं चम्बल का डोगा श्रृंखला का भावनाओं से ओतप्रोत झंझावाती आधारखंड।

भेड़िया को देनी होगी आत्माहुति, यदि उसका जन्म सिद्ध हुआ...

संजय गुप्ता प्रस्तुत करते हैं राज कॉमिक्स में जंगल के जल्लाद भेड़िया का सनसनीखेज कॉमिक्स

विश्वआतंकवाद के खात्मे के सफ़र आरम्भ करते ही विश्वरक्षक नागराज जा टकराया मानव जाति के सबसे बड़े दुश्मन इच्छाधारी सर्पसम्राट तौसी से।
इच्छाधारी नागमणि प्राप्त करने के लिए रचे गए षड्यंत्र में नाग व सर्पशक्तियों के भीषण टकराव की वो भूली हुई हैरतअंगेज दास्तान जिसे मानवता की भलाई के लिए इतिहास के पन्नों से मिटा दिया गया आज फिर दुनिया के सामने खोली जा रही है।
दो महाप्रलयंकारी इच्छाधारी शक्तियों का भीषण संग्राम जिनमें कोई एक ही कहलाएगा
प्रलय का देवता
समापन अंक
राज कॉमिक्स में नागसम्राट नागराज और सर्पसम्राट इच्छाधारी तौसी का प्रलयंकारी कॉमिक्स

भारतीय कॉमिक्स इतिहास में पहली बार नागसम्राट नागराज और सर्पसम्राट इच्छाधारी तौसी एक साथ।

अपने गुरु गोरखनाथ के आदेश पर महाप्रलय रोकने चला विलक्षण नागमानव नागराज जा टकराया है एक रहस्यमयी शत्रु से वहीं सर्प देश का सर्वश्रेष्ठ शासक इच्छाधारी साँप तौसी अपनी अप्सरा की तलाश में आ पहुँचा है ऐसे भयावह स्थान पर जहां के छुपे राज और घात लगाए बैठे उसके पुराने चिर शत्रु समस्त इच्छाधारी जाति के अस्तित्व को संकट में डाल सकते हैं और ला सकते हैं...

राज कॉमिक्स By संजय गुप्ता

मूल्य- ₹200/-

COMICS

ISBN 978-93-5468-183-7

9 789354 681837

SPCL-RCSG-02-H

www.rajcomicsuniverse.com